समान नागरिक संहिता लागू करने की ओर राजस्थान तेजी से अग्रसर हो रहा : पटेल

सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू होंगे : संसदीय कार्य मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सोमवार को शासन सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से समान नागरिक संहिता (यूनिफार्म सिविल कोड) की ओर अग्रसर है। इसमें सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक कानून होंगे। राज्य सरकार ने विधेयक का प्रारूप तैयार करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

पटेल ने बताया कि संवैधानिक भावना को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में 14 अप्रैल, 2026 को राज्य में इस विषय पर सार्थक कार्यवाही करने का निर्णय लिया था। इसके अंतर्गत आदिवासी समुदाय के रीति-रिवाज को सुरक्षित रखा जाएगा और उन्हें संवैधानिक सुरक्षा मिलेगी। इससे प्रदेश को नई दशा और दिशा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि संविधान के भाग 4 में वर्णित राज्य की नीति के निर्देशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद 44 के प्रावधानों के मद्देनजर राज्य सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। अनुच्छेद 44 में उल्लेख है कि राज्य, भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा।

बेढम ने बताया कि 'राजस्थान समान नागरिक संहिता-2026' के विधेयक का प्रारूप तैयार करने के लिए उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। समिति के अन्य सदस्य सेवानिवृत्त आई.ए.एस. शत्रुघ्न सिंह, राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा, राजकीय विधि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर के सेवानिवृत्त प्राचार्य रामस्वरूप अग्रवाल और डॉ. शुचि चौहान बनाये गये हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सोमवार को शासन सचिवालय में प्रेस वार्ता की।

- विधेयक का प्रारूप तैयार करने के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित
- समावेशी और पारदर्शी कानून के लिए आमजन दे सकेंगे सुझाव : बेढम

उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता के विधेयक के प्रारूप को समावेशी और पारदर्शी बनाने के लिए समिति संभाग स्तर पर जन-संवाद को प्राथमिकता देगी। वेबसाइट के माध्यम से राज्य के आम नागरिक अपने बहुमूल्य सुझाव सीधे समिति तक पहुंचा सकेंगे।

विवाह-तलाक का अनिवार्य पंजीकरण, बहुविवाह पर रोक

समान नागरिक संहिता का प्रमुख ध्येय देश या राज्य में रहने वाले सभी नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू करना है, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या समुदाय के हों। वर्तमान में शादी, तलाक, संपत्ति के उत्तराधिकार, गोद लेने और भरण-पोषण जैसे मामलों में अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों का पालन होता है। यूसीसी लागू होने से ये विसंगतियां समाप्त होंगी। इसका मुख्य उद्देश्य अलग-अलग पर्सनल लॉ में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को समाप्त कर उन्हें लैंगिक समानता और पुरुषों के बराबर अधिकार दिलाना है।

इसके तहत विवाह और तलाक का अनिवार्य पंजीकरण, बहुविवाह पर पूर्ण रोक, लिव-इन रिलेशनशिप का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन तथा पैतृक संपत्ति में बेटा-बेटी दोनों को समान अधिकार जैसे प्रमुख बदलाव शामिल हैं। राज्य सरकार समिति के माध्यम से राज्य की आवश्यकताओं और सामाजिक ताने-बाने के अनुरूप एक आदर्श और प्रगतिशील कानून का प्रारूप तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चांदी के कड़े लूटने के लिए भतीजे ने की थी ताई की हत्या

ढाई लाख रुपए का कर्जा उतारने के लिए वारदात को अंजाम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। करीब ढाई लाख रुपए के कर्ज में डूबे एक युवक ने अपनी सगी ताई की हत्या कर पैरों में पहने चांदी के कड़े लूट लिए। कड़े निकालने के लिए उसने धारदार हथियार से मृतका के दोनों पैर काट दिए। हत्या के बाद शव को पहले गड्ढा खोदकर दफनाया गया और बाद में पकड़े जाने के डर से साले की मदद से कुएं में फेंक दिया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी सूरज बैरवा (24) निवासी बल्लूपुरा, शिवदासपुरा तथा उसके साले विनोद बैरवा (24) निवासी गड़ियों की ढाणी, कानोता को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि आरोपी सूरज बागवानी (नर्सरी) का काम करता है और शराब पीने का आदी है। उस पर करीब 2.53 लाख रुपए का कर्ज था। उसे पता था कि उसकी ताई बीना देवी (53) पैरों में करीब एक किलो वजनी चांदी के कड़े पहनती हैं। कर्ज चुकाने के लिए उसने हत्या और लूट की साजिश रची।

- महिला का शव कुएं में फेंककर खोज का नाटक करता रहा आरोपी
- पुलिस ने आरोपी सूरज व उसके साले को गिरफ्तार किया

थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि के अनुसार 11 जून की सुबह बीना देवी ने तबीयत खराब होने पर सूरज से पदमपुरा की तरफ दवा दिलाने के लिए साथ ले चलने को कहा। इस पर सूरज ने उन्हें ढूंढ नदी क्षेत्र में घास खुदवाने के बहाने अपने साथ ले गया। दोपहर करीब 12 बजे सुनसान इलाके में घास काटने के दौरान उसने पीछे से फावड़े से सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद दांतली (हंसिया) से दोनों पैर काटकर चांदी के कड़े निकाल लिए तथा नाक और कान के गहने भी उतार लिए। बाद में शव को वहीं गड्ढा खोदकर दफना दिया।

हत्या के बाद आरोपी दिन में परिजनों के साथ मिलकर ताई को तलाशने का नाटक करता रहा, लेकिन रातभर पकड़े जाने के डर से परेशान रहा। अगले दिन वह घटनास्थल पर लौटा और करीब 50 मीटर दूर स्थित कुएं को देखकर शव ठिकाने लगाने की नई योजना बनाई। उसने अपने साले विनोद को बुलाकर पूरी घटना बताई और उसकी मदद से दफनाया गया शव बाहर निकाला। दोनों ने साड़ी से शव के साथ एक भारी पत्थर बांधा और उसे 60 फीट गहरे कुएं में फेंक दिया, ताकि शव ऊपर न आ सके।

शिवदासपुरा पुलिस ने महिला की हत्या करने वाले आरोपी को पकड़ा।

एसीपी (चाकसू) भवानी सिंह ने बताया कि आरोपी रोज कुएं पर जाकर यह देखने आता था कि कहीं शव पानी में ऊपर तो नहीं आ गया। गत 18 जून को कुएं से दुर्गंध आने पर ग्रामीणों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी।

जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के मोबाइल में कई क्राइम सीरियल और यूट्यूब पर पुलिस से बचने के तरीके बताने वाले वीडियो मिले। पूछताछ में सामने आया कि वह पुलिस जांच को भटकाने के लिए पहले से योजना बनाकर चल रहा था। मृतका के परिवार में बहुओं को दिए गए जेवरों को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी को उम्मीद थी कि जेवर गायब होने पर पुलिस का शक मृतका के बेटों पर जाएगा और वह बच निकलेगा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, चांदी के कड़े और अन्य आभूषण बरामद किए हैं। आरोपियों से पूछताछ जारी है। घटना के खुलासे के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है।

60 से अधिक मुकदमों वाला कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर । चित्रकूट थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) पश्चिम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय स्तर पर लग्जरी चौपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सवाई माधोपुर के बाटोदा थाने के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर एवं साठ से अधिक मुकदमों में वांछित वाहन चोर कुंजीलाल गुर्जर उर्फ बन्ने सिंह (38) निवासी सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की गई एक स्कॉर्पियो क्लासिक और वारदात में प्रयुक्त चोरी की टाटा अल्ट्रोज कार बरामद की गई है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दीपावली के बाद जेल से छूटकर बाहर आया था। इसके बाद उसका संपर्क दौसा निवासी शातिर वाहन चोर अमोल मीणा उर्फ अनमोल उर्फ मनहोरी लाल से हुआ। दोनों ने मिलकर राजस्थान और दिल्ली में लग्जरी वाहन चोरी का नेटवर्क खड़ा कर लिया। आरोपियों का तरीका बेहद शातिर था। वे पहले एक वाहन चोरी करते और फिर उसी चोरी के वाहन का उपयोग दूसरी वारदातों में करते थे। पूछताछ में सामने आया कि 2 जून को सांगानेर क्षेत्र से टाटा अल्ट्रोज कार चोरी की गई थी, जिसका उपयोग बाद में अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में किया गया। इसके बाद दिल्ली से एक टाटा हैरियर और एक स्कॉर्पियो चोरी कर राजस्थान लाए गए। 8 जून को चित्रकूट क्षेत्र से स्कॉर्पियो क्लासिक चोरी की गई, जबकि 10 जून को भीलवाड़ा से एक अन्य स्कॉर्पियो चोरी करना भी आरोपी ने स्वीकार किया है। थानाधिकारी प्रभु सिंह के अनुसार कुंजीलाल गुर्जर के खिलाफ वर्ष 2005 से 2025 तक चोरी, नकबजनी, वाहन चोरी और आर्म्स एक्ट सहित कुल 63 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ सवाई माधोपुर, दौसा, टोंक, उदयपुर, चित्तौडगढ़, अजमेर, भीलवाड़ा समेत जयपुर शहर के कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं। जयपुर के जवाहर नगर, मालवीय नगर, शिप्रापथ, प्रताप नगर, मुहाना, एयरपोर्ट, बजाज नगर, लालकोठी और अन्य थानों में भी उसके खिलाफ चार्जशीट पेश की जा चुकी है। मुख्य आरोपी के सहयोगी अमोल मीणा उर्फ अनमोल मीणा उर्फ मनहोरी लाल निवासी सलेमपुर, दौसा की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी प्रभु सिंह, डीएसटी प्रभारी गणेश, उपनिरीक्षक प्रियंका, सहायक उपनिरीक्षक सोभाग सिंह, हेड कांस्टेबल दिनेश शर्मा, भरत तथा कांस्टेबल बीरबल, राकेश, मुकुट बिहारी, सुरेश, दीपचंद, श्रीराम और सुनील कुमार की विशेष भूमिका रही।

हेमंत मित्तल अध्यक्ष, अधिराज सिंह शाहपुरा महासचिव बने

जयपुर । होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की 36वीं वार्षिक आम सभा का आयोजन जयपुर स्थित एक होटल में हुआ। इस अवसर पर संस्थापक सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों, वरिष्ठ होटल व्यवसायियों, रेस्टोरेंट संचालकों, पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों तथा प्रदेशभर से आए सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।सभा में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सदस्यों ने हेमंत मित्तल को अध्यक्ष, अधिराज सिंह शाहपुरा को पुनः महासचिव, असीम पारख को पुनः कोषाध्यक्ष, लव शेखावत को संयुक्त सचिव तथा तरुण बंसल को इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट के रूप में जिम्मेदारी सौंपी।

निवर्तमान अध्यक्ष तरुण बंसल ने अपने कार्यकाल के दौरान संगठन को मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार जताया तथा नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास जताया कि नई ऊर्जा एवं नए दृष्टिकोण के साथ राजस्थान के आतिथ्य एवं पर्यटन उद्योग को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगा।

महासचिव अधिराज सिंह शाहपुरा ने अपना वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए गत वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि

सदस्यता विस्तार, राज्य एवं केंद्र सरकार के समक्ष होटल एवं पर्यटन उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रभावी प्रतिनिधित्व, पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रमों, राष्ट्रीय पर्यटन मेलों में सहभागिता, स्वच्छता एवं विरासत संरक्षण अभियानों सहित सदस्य हितों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किए गए। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय संगठन के सभी सदस्यों, कार्यकारिणी एवं सहयोगी संस्थाओं को दिया। कोषाध्यक्ष असीम पारख ने वर्ष 2025-26 का ऑडिटेड वित्तीय प्रतिवेदन एवं आय-व्यय विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। नवनियुक्त अध्यक्ष हेमंत मित्तल ने कहा कि सरकार, पर्यटन विभाग एवं पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए राजस्थान के होटल एवं पर्यटन उद्योग के समग्र विकास को नई गति देना उनकी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर संगठन के संस्थापक सदस्य भीम सिंह राठौड़, अजय अग्रवाल भी मौजूद थे। संगठन के पूर्व अध्यक्ष अपूर्व कुमार (चेयरमैन, क्लार्क्स ग्रुप ऑफ होटल्स), ऋषिपाल सिंह एवं कुलदीप सिंह चंदेला (स्पाइस कोर्ट) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एसआई ने पहलवान पर किया हमला

जयपुर । राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित गणगौरी गेट के पीली का अखाड़ा में एक सब इंस्पेक्टर द्वारा पहलवान के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि दूध गर्म करने से मना करने पर एसआई ने पहलवान का गला दबाया और डंबल से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी एसआई के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि आरोपी एसआई देशराज (28) वर्तमान में जयपुर ग्रामीण पुलिस लाइन में तैनात है। चूरू जिले के सरदारशहर निवासी पहलवान मुकेश जाट (26) ने रिपोर्ट में बताया कि वह पीली का अखाड़ा में रहकर कुश्ती का अभ्यास करता है। शनिवार रात करीब 12:30 बजे आरोपी एसआई ने उसे सोते से उठाकर दूध गर्म करने को कहा। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसका गला दबा दिया और धमकी दी। पीड़ित के अनुसार विरोध करने पर आरोपी ने अखाड़े में रखा डंबल उठाकर उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सार-समाचार

'कन्फेशनल कविता लिखना कठिन है'

जयपुर । जयपुर के कवि एवं पब्लिसिस्ट जगदीप सिंह के कविता संग्रह 'व्हेन गॉड्स डोंट मैटर' का विमोचन बेंगलुरु स्थित कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन क्लब में हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन मेयो एलुमनाई एसोसिएशन ऑफ सदर्न इंडिया (मासी) द्वारा किया गया। संकलन का विमोचन मेयो कॉलेज ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन के अध्यक्ष, कर्नल भवानी सिंह; मेयो कॉलेज के प्रिंसिपल, सौरव सिन्हा; प्रसिद्ध स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर, चारु शर्मा; मासी के अध्यक्ष, रोहित सिंह; सबसे वरिष्ठ आमंत्रित पूर्व छात्रा, प्रज्ञा सेठी जैन; लेखक जगदीप सिंह और कार्यक्रम की मॉडरेटर, वसुंधरा जैन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उल्लेखनीय है कि जगदीप सिंह मेयो कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं। पुस्तक विमोचन के पश्चात, लेखक और संचालक के बीच एक संवाद सत्र आयोजित किया गया। सत्र के दौरान कवि ने बताया कि कविता-संग्रह के शीर्षक वाली कविता कोविड-19 पर आधारित है और इसे महामारी की दूसरी लहर के दौरान लिखा गया था।

बैंक एमडी को एपीओ करने की सराहना

जयपुर । सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने सहकारी समिति में नकली खाद वितरण जैसे गंभीर प्रकरण में यूनियन द्वारा निरंतर कार्रवाई की मांग के बाद सरकार द्वारा संबंधित बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) को एपीओ करने का आदेश स्वागतयोग्य कदम बताया है, यह सहकारिता में सुशासन के लिए संघर्ष और किसानों के हितों की पहली जीत है। सहकार नेता आमेरा ने बताया कि यह सरकार का देर से उठाया गया सही कदम है, नकली खाद का मतलब है किसान की मेहनत और खेत दोनों से धोखा। हमने पहले दिन से मांग की थी कि इस आपराधिक लापरवाही पर बड़ी मछलियों पर कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि एमडी को एपीओ करना सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई है, दंड नहीं। हम सरकार से मांग करते हैं कि इस प्रकरण की उच्च स्तरीय, समयबद्ध जांच हो। यदि अधिकारी की संलिप्तता या घोर लापरवाही पाई जाती है तो दर्ज कर कानूनी कार्रवाई हो। दोषी को बचाने की कोई कोशिश बर्दाश्त नहीं होगी।" आमेरा ने माँग की है कि नकली खाद समिति तक पहुंची कैसे? खरीद किसने की, किसने पास की, भुगतान किसके साइन से हुआ? इसकी भी जांच की जानी चाहिए।

तकनीशियन का अंतिम परिणाम जारी

जयपुर । राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने राज्य के विद्युत निगमों में तकनीशियन-तृतीय (आईटीआई) की 2073 रिक्तियों पर इलेक्ट्रिशियन, पॉवर इलेक्ट्रीशियन, वायरमेन, लाइनमैन, एसबीए में आईटीआई योग्यता धारकों की भर्ती का अंतिम परिणाम 22 जून को जारी कर विद्युत निगमों की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया हैं। इस संबंध में चयनित अभ्यर्थियों को उनके मोबाइल नम्बर पर एसएमएस द्वारा भी सूचित कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश सम्बन्धित विद्युत निगम द्वारा पृथक से जारी किये जायेंगें। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को पारदर्शिता के साथ अधिकाधिक रोजगार देने के लिए संकल्पित है। इसी क्रम में विद्युत निगमों में भी भर्ती प्रक्रिया को गति देते हुए सीमित समय में अभियन्ताओं के 271 पदों एवं तकनीशियन-तृतीय (आईटीआई)/ आपरेटर-तृतीय (आईटीआई)/ प्लांट अटेंडेंट-तृतीय (आईटीआई) के कुल 2163 पदों सहित कुल 2434 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है।

"योग गुरु सम्मान समारोह" आयोजित

जयपुर । भाजपा जयपुर शहर की ओर से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को "योग गुरु सम्मान समारोह" आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने की। समारोह में समाज में योग, स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले योगाचार्यों एवं योग प्रशिक्षकों का अंगवस्त्र, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने संपूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की दिशा प्रदान की है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वय का संपूर्ण विज्ञान है। वर्तमान समय की भागदौड़ एवं तनावपूर्ण जीवनशैली में योग स्वस्थ, सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

राजलक्ष्मी बैंक घोटाला : 8 साल से फरार तीन इनामी आरोपी गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । माणक चौक पुलिस ने वर्ष 2018 के चर्चित राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले में कार्रवाई करते हुए 10-10 हजार रुपए के तीन इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बैंक का तत्कालीन मैनेजर भी शामिल है। तीनों आरोपी पिछले करीब आठ वर्षों से फरार चल रहे थे।

डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा ने बताया कि वर्ष 2018 में माणक चौक थाने में राजलक्ष्मी महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से जुड़े करोड़ों रुपए के घोटाले का मामला दर्ज किया गया था।

जांच में सामने आया था कि बैंक के तत्कालीन पदाधिकारियों, कर्मचारियों, ऋण धारकों, गारंटरों, वैल्यूअर्स और अधिवक्ताओं ने आपराधिक साजिश के तहत फर्जी दस्तावेजों तथा विवादित संपत्तियों के आधार पर ऋण स्वीकृत करवाकर बैंक को करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचाया।

मामले में सहकारिता विभाग की जांच के बाद बैंक के अधिकृत ऋण प्रबंधक की ओर से माणक चौक थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

जांच के दौरान कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी, जबकि

आरोपी मदन कट्टा, अजय शर्मा तथा सपन शर्मा

- पुलिस अधिकारियों के अनुसार बैंक घोटाले में फर्जी दस्तावेजों के जरिए ऋण स्वीकृत कर करोड़ों रुपए की राशि का गबन किया गया था।

कुछ आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे।

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए माणकचौक थाना प्रभारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर तंत्र और लगातार निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीनों इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों में बैंक के तत्कालीन मैनेजर मदन कट्टा (78), अजय शर्मा (49) तथा उसका पुत्र सपन शर्मा शामिल हैं। तीनों आरोपियों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार बैंक घोटाले में फर्जी दस्तावेजों के जरिए ऋण स्वीकृत कर करोड़ों रुपए की राशि का गबन किया गया था।

पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले में उनकी भूमिका की विस्तृत जांच कर रही है। साथ ही घोटाले से जुड़े अन्य व्यक्तियों और तथ्यों की भी पड़ताल जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है तथा आगामी दिनों में और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

कोडिएक आरएस की बुकिंग 22 जून 2026 से होगी शुरू

जयपुर । स्कोडा ऑटो इंडिया अपनी हाई-परफॉर्मेंस आरएस रैन्ज को "नई कोडिएक आरएस" के साथ और मजबूत करने जा रही है। करीब 50 वर्षों से अधिक पुरानी आरएस विरासत और 125 वर्षों से ज्यादा के मोटरस्पोर्ट इतिहास पर आधारित यह नया मॉडल ब्रांड की परफॉर्मेंस-उन्मुख पहचान को और मजबूती देगा। इस एसयूवी की बुकिंग 22 जून 2026 से शुरू होगी। नई कोडिएक आरएस में दमदार परफॉर्मेंस, शानदार मोटरस्पोर्ट कैरेक्टर, सात-सीटर लग्ज़री की बहुउपयोगिता और 44 तकनीक से लैस बेहतर ऑल-टेरेन क्षमता होगी। यह जानकाी स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने दी है।

आरटीडी मॉडल के लिए दिशा-निर्देश

जयपुर । कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग ने "राजस्थान कौशल नीति - 2025" के तहत आर.टी.डी. मॉडल के लिए विशिष्ट दिशा निर्देश तैयार किए हैं, इनका अनुमोदन सोमवार को आयोजित निदेशक मंडल की 50वीं बैठक में हुआ। ज्ञात रहे कि उद्योगों को युवा प्रतिभाओं की भर्ती करने, उन्हें उद्योग विशिष्ट प्रशिक्षण देकर रोजगार मुहैया करवाने के उद्देश्य से यह आर.टी.डी. (रिक्रूट-ट्रेन-डिप्लोय) मॉडल बनाया गया है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की संस्थाओं को कार्यान्वयन के लिए शामिल किया जाएगा, जिनमें इंडस्ट्री लेड मॉडल, एचआर-प्लेसमेंट एजेंसी लेड मॉडल, प्रोजेक्ट इंप्लांटिंग एजेंसी तथा स्पेशल प्रोजेक्ट शामिल है।

कंबल बेचने की आड़ में नशे का कारोबार चलाने वाला गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने "ऑपरेशन मदाविकाढ़त" के तहत कार्रवाई करते हुए सात वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी मादक पदार्थ तस्कर रमेश बंजारा को मध्य प्रदेश के नीमच जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ अब तक 66 फरार तस्करों को गिरफ्तार कर चुकी है।

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि आरोपित रमेश बंजारा (35) निवासी जुना मालाहेड़ा, मनासा (नीमच) (मध्य प्रदेश) कंबल बेचने की आड़ में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु तक डोडा-चूरा तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा था। दिन में वह कंबल बेचने का काम करता और रात में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में सक्रिय रहता था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित अपनी पहचान छिपाने के लिए अपने भाई बहादुर की शक्ल-सूरत का फायदा उठाता था। कई बार पुलिस कार्रवाई के दौरान वह भाई का आधार कार्ड दिखाकर खुद को बहादुर बताकर बच निकलता था। फलोदी पुलिस द्वारा उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

एएनटीएफ ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए विशेष रणनीति बनाई। जांच के दौरान उसकी ससुराल गुंदा रेत गांव से जुड़े इनपुट मिले। दो टीमों ने सात दिन तक रिश्तेदारों और गतिविधियों पर नजर रखी। इसी दौरान

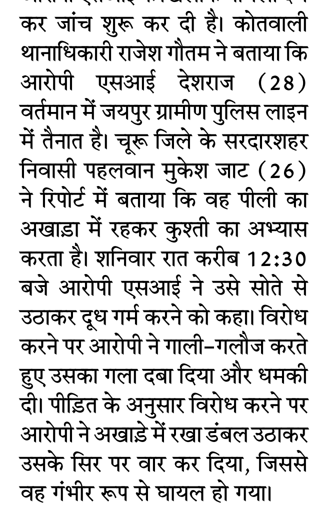

सूचना मिली कि आरोपित पत्नी के साथ एक रिश्तेदार के मृत्युभोज में शामिल होने आने वाला है। सामाजिक कार्यक्रम की संवेदनशीलता को देखते हुए टीम ने वहां कार्रवाई नहीं की। कार्यक्रम से लौटने के बाद जैसे ही आरोपित मध्य प्रदेश सीमा में मुख्य मार्ग पर पहुंचा, एएनटीएफ ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

गिरफ्तारी के समय आरोपित खुद को बहादुर बताता रहा,जबकि उसके साथ मौजूद पत्नी भी उसे अपना जेठ बताकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करती रही।

हालांकि पूछताछ और परिस्थितिजन्य तथ्यों के आधार पर उसकी वास्तविक पहचान उजागर हो गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आईजी विकास कुमार ने बताया कि ऑपरेशन का नाम तीन शब्दों से मिलकर बना है- मद (नशा), आविक (कंबल) और आढ़त (थोक व्यापार)। आरोपी कंबल बेचने की आड़ में नशे की थोक तस्करी करता था। इसलिए इस कार्रवाई को "ऑपरेशन मदाविकाढ़त" नाम दिया गया।